University in News on 19 September 2024

PIONEER PAGE 3

चीन में चौथी विश्व जूनियर सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप के लिए एलयू की छात्रा का चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीबीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सासा कटियार को प्रतिष्ठित चौथी विश्व जूनियर सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल में भाग लेने के लिए चुना गया है, जो 1 से 7 नवंबर, 2024 तक चीन के जिंगशान में होने वाली है। सासा अंडर-18 बालिका वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिससे लखनऊ विश्वविद्यालय वैश्विक मंच पर गौरवान्वित होगा। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाली सासा की सॉफ्ट टेनिस में यात्रा छोटी उम्र में ही शुरू हो गई थी। उन्होंने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है, खासकर 2018 में कोरिया में अंडर-15 जूनियर विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में चौथे दौर की हार के बाद। तब से, उन्होंने अपने कौशल को बेहतर बनाने, राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई स्वर्ण और रजत पदक अर्जित करने और 2022 राज्य सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में रिकॉर्ड तोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया है।

JAGRAN CITY PAGE III

मूक के लिए आनलाइन पाठ्यक्रम तैयार करेगा लखनऊ विश्वविद्यालय

जासं ● लखनऊ : डिजिटल शिक्षा को बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच का विस्तार करने की दिशा में विश्वविद्यालय ने कदम बढ़ाया है। विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं को जल्द ही मूक के माध्यम से आनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध कराएगा। राष्ट्रीय मंच स्वयं और एमओओसी- मूक (मैसिव ओपन आनलाइन कोर्स) के लिए आनलाइन सामग्री व पाठ्यक्रमों के विकास का नेतृत्व करने के लिए एक समिति गठित हो गई है।

समिति राष्ट्रीय शैक्षिक ढांचे के साथ संरेखित उच्च गुणवत्ता वाली आनलाइन सामग्री को डिजाइन करने और वितरित करने की प्रक्रिया के माध्यम से संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन करेगी। समिति की अध्यक्ष डा. किरण लता डंगवाल ने पहले भी शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की ई-सामग्री, एमओओसी और ओपन एजुकेशनल रिसोर्स (ओईआर) तैयार किए हैं। उन्होंने यूनेस्को के अंतरराष्ट्रीय मेंटरिंग आनलाइन कार्यक्रम, ओपन एजुकेशन फार वेटर वर्ल्ड (ओईएफडब्ल्यू) प्लेटफार्म में कई मैसिव ओपन आनलाइन कोर्स विकसित किए हैं। कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि विश्वविद्यालय को राज्य सरकार से शोध में डिजिटल उपकरणों की क्षमता पर मूक विकसित करने के लिए एक परियोजना मिली है। समिति में डा. प्रवीश प्रकाश, डा. शांभवी मिश्रा, डा. भावना, डा. ऋषि कांत चतौर सदस्य हैं। मूक का लाभ उठाकर लखनऊ विश्वविद्यालय इस राष्ट्रीय प्रयास में योगदान देगा।

समिति की ये प्रमुख जिम्मेदारी

आनलाइन पाठ्यक्रमों को बनाने में संकाय सदस्यों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना, सुनिश्चित करना कि सामग्री स्वयं एवं मूक के निर्धारित दिशा-निर्देशों और गुणवत्ता मानदंडों के अनुरूप हो, अंत:विषय पाठ्यक्रमों के लिए विभागों के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाना, डिजिटल शिक्षण अनुभव को बढ़ाने के लिए नवीन शिक्षण उपकरणों और तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहित करें।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मूक व 'स्वयं' के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करेगा लखनऊ विवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय मूक (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) और राष्ट्रीय मंच 'स्वयं' की पाठ्य सामग्री तैयार करेगा। इसके लिए विवि ने बुधवार को डॉ. किरण लता की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया।

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर शिक्षाशास्त्र की डॉ. किरण लता डंगवाल की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है। इसमें लाइब्रेरी साइंस के डॉ. प्रवीश प्रकाश, सांख्यिकी से डॉ. शांभवी मिश्रा, वाणिज्य से डॉ. ऋषिकांत और विधि से डॉ. भावना को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यह समिति ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के निर्माण में विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों को मदद करेगी। उन्हें स्वयं और मूक के निर्देशों, मानदंडों के बारे में बतलाएगी। विवि का यह कदम उसे डिजिटल विवि के तौर पर विकसित होने में मदद करेगा। (संवाद)

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

पहल : लविवि का ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रारम्भ

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। डिजिटल शिक्षा को बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच का विस्तार करने की दिशा में लविवि ने कदम बढ़ाया है। लविवि छात्र-छात्राओं को जल्द ही मूक के माध्यम से आनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध कराएगा। राष्ट्रीय मंच स्वयं और एमओओसी- मूक (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) के लिए आनलाइन सामग्री व पाठ्यक्रमों के विकास का नेतृत्व करने के लिए एक समिति का गठन किया है। यह पहल अत्याधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने और देशभर के विद्यार्थियों के लिए लचीले शिक्षण अवसर बनाने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने इस समिति की नियुक्ति की है, जिसमें विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य शामिल हैं। समिति राष्ट्रीय शैक्षिक ढांचे के साथ संरेखित उच्च गुणवत्ता वाली ऑनलाइन सामग्री को डिजाइन करने और वितरित करने की प्रक्रिया के माध्यम से संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कमीटी की अध्यक्ष, डॉ.किरण लता डंगवाल, स्वयं कंप्यूटर शिक्षा और प्रौद्योगिकी में पारंगत हैं और उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की ई-सामग्री, एमओओसी और ओईआर तैयार किए हैं। उन्होंने यूनेस्को के अंतर्राष्ट्रीय मेंटरिंग ऑनलाइन कार्यक्रम, ओई फोर बी.डब्ल्यू में कई मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स विकसित किए हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश सरकार से शोध में डिजिटल उपकरणों की क्षमता पर एमओओसी विकसित करने के लिए एक परियोजना मिली है। डॉ.प्रवीश प्रकाश, डॉ.शांभवी मिश्रा, डॉ.भावना, डॉ.ऋषि कांत समिति के सदस्य हैं। प्रत्येक सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञ और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है। ये उपलब्धियां कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के निरंतर समर्थन, प्रोत्साहन और प्रेरणा के बिना संभव नहीं होतीं।

समिति की प्रमुख जिम्मेदारियां

आॅनलाइन पाठ्यक्रमों के निर्माण में संकाय सदस्यों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना।
सुनिश्चित करना कि सामग्री स्वयं,एमओओसी द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों और गुणवत्ता मानदंडों के अनुरूप हो।
अंत:विषय पाठ्यक्रमों के लिए विभागों के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाना।
डिजिटल शिक्षण अनुभव को बढ़ाने के लिए नवीन शिक्षण उपकरणों और तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहित करें।
एमओओसी का लाभ उठाकर लविवि न केवल इस राष्ट्रीय प्रयास में योगदान देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि छात्र आज की डिजिटल दुनिया में प्रासंगिक कौशल हासिल करें। इस समिति की स्थापना के साथ लविवि का लक्ष्य डिजिटल पाठ्यक्रमों के विकास में एक अग्रणी संस्थान बनना है। समिति के प्रयास विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों को विकसित शैक्षिक परिदृश्य के अनुकूल होने में सहायता करेंगे। यह पहल आजीवन सीखने के अवसर प्रदान करके वैश्विक शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र में विश्वविद्यालय की भूमिका को मजबूत करेगी। यह पहल डिजिटल नवाचार के माध्यम से शिक्षा को बढ़ाने, विद्यार्थियों को कल की चुनौतियों के लिए तैयार करने और वैश्विक ऑनलाइन शिक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती उपस्थिति में योगदान देने की दिशा में लविवि की चल रही यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

कुलपति ने गठित की समिति

संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन करने में निभाएगी अहम भूमिका

विस्तार करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मंच स्वयं और एमओओसी (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) के लिए ऑनलाइन सामग्री और पाठ्यक्रमों के विकास का नेतृत्व करने के लिए एक समिति का गठन किया है। यह पहल अत्याधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने और देशभर के विद्यार्थियों के लिए लचीले शिक्षण अवसर बनाने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने इस समिति की नियुक्ति की है, जिसमें विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य शामिल हैं। समिति राष्ट्रीय शैक्षिक ढांचे के साथ संरेखित उच्च गुणवत्ता वाली ऑनलाइन सामग्री को डिजाइन करने और वितरित करने की प्रक्रिया के माध्यम से संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कमीटी की अध्यक्ष, डॉ.किरण लता डंगवाल, स्वयं कंप्यूटर शिक्षा और प्रौद्योगिकी में पारंगत हैं और उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की ई-सामग्री, एमओओसी और ओईआर तैयार किए हैं। उन्होंने यूनेस्को के अंतर्राष्ट्रीय मेंटरिंग ऑनलाइन कार्यक्रम, ओई फोर बी.डब्ल्यू में कई मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स विकसित किए हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश सरकार से शोध में डिजिटल उपकरणों की क्षमता पर एमओओसी विकसित करने के लिए एक परियोजना मिली है। डॉ.प्रवीश प्रकाश, डॉ.शांभवी मिश्रा, डॉ.भावना, डॉ.ऋषि कांत समिति के सदस्य हैं। प्रत्येक सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञ और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है। ये उपलब्धियां कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के निरंतर समर्थन, प्रोत्साहन और प्रेरणा के बिना संभव नहीं होतीं।

THE PIONEER PAGE 3

LU to develop SWAYAM, MOOCS courses

PNS ■ LUCKNOW

In a major step towards enhancing digital education and expanding access to quality learning, Lucknow University has constituted a dedicated committee to spearhead the development of online content and courses for the national platforms SWAYAM and MOOCs (Massive Open Online Courses).

This initiative is a testament to the university's commitment to integrating cutting-edge educational technology and creating flexible learning opportunities for students across the country.

LU Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai has appointed this committee, which consists of prominent faculty members from various departments. The committee will play a pivotal role in guiding faculty members through the process of designing and delivering high-quality online content aligned with the national educational framework.

Chairperson of the committee, Dr Kiran Lata Dangwal, herself is well versed in computer education and technology and has created a variety of e-contents, MOOCs and OERs for teachers and students. She has developed many MOOCs in UNESCO's international mentoring online programme, OE4BW.

Currently, LU has received a project from the Uttar Pradesh government to develop a MOOC on 'Potential of digital tools in research'.

Dr Pravish Prakash, Dr Shambhavi Mishra, Dr Bhawna, Dr Rishi Kant are the members of the committee. Each member brings a wealth of expertise in their respective fields and a deep commitment to academic excellence.

The key responsibilities of the committee are to provide guidance and support to faculty members in the creation of online courses, ensure that the content aligns with the guidelines and quality benchmarks set by SWAYAM/MOOCs, facilitate collaboration between departments for interdisciplinary courses and encourage the use of innovative teaching tools and techniques to enhance the digital learning experience.

By leveraging MOOCs, Lucknow University will not only contribute to this national effort but also ensure that students gain skills that are relevant in today's digital world.

"With the establishment of this committee, Lucknow University aims to become a leading institution in the development of digital courses. The committee's efforts will support both students and educators in adapting to the evolving educational landscape. This initiative will strengthen the university's role in the global educational ecosystem by providing opportunities for lifelong learning," said spokesperson Durgesh Srivastava.

This initiative marks a significant milestone in the university's ongoing journey towards enhancing education through digital innovation, preparing students for the challenges of tomorrow, and contributing to India's growing presence in the global online education space.

TOI PAGE 2

LU panel to develop content for Swayam portal

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: In a bid to bolster digital education and broaden access to high-quality learning resources, Lucknow University has established a dedicated committee to spearhead development of online content and courses for SWAYAM, an online national platform that offers free courses from top universities in India and Massive Open Online Courses (MOOCs). Furthermore, LU has been entrusted with a project by UP govt to develop MOOCs, which the committee will also facilitate.

"The primary objective of forming a specialised committee to generate online content is to seamlessly integrate state-of-the-art educational technology and foster flexible learning opportunities for students nationwide. The committee comprises eminent faculty members from various departments," stated LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He emphasised the committee would assume a crucial role in guiding faculty members through intricacies of designing and delivering superior online content aligned with national educational framework. The committee's chairperson, Kiran Lata Dangwal, from LU's education department, possesses extensive expertise in computer education and technology.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

विश्व जूनियर सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप के लिए लविवि की सासा चयनित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीबीए तृतीय सेमेस्टर कार्यक्रम की सम्पर्पित छात्रा सासा कटियार को प्रतिष्ठित चौथी विश्व जूनियर सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल में भाग लेने के लिए चुना गया है, जो आगामी 1 से 7 नवंबर तक चीन के जिंगशान में होने वाली है।

सासा अंडर-18 बालिका वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिससे लखनऊ विश्वविद्यालय वैश्विक मंच पर गौरवान्वित होगा। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाली सासा की सॉफ्ट टेनिस में यात्रा छोटी उम्र में ही शुरू हो गई थी। उन्होंने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। खासकर 2018 में कोरिया में अंडर-15 जूनियर विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में चौथे दौर की हार के बाद। तब से, उन्होंने अपने कौशल को बेहतर बनाने, राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई स्वर्ण और रजत पदक अर्जित करने और 2022 राज्य सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में रिकॉर्ड तोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया है। वर्षों के कठोर प्रशिक्षण और राष्ट्रीय स्पर्धाओं में मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, वह इस वर्ष पोडियम फिनिश हासिल करने के लिए आशावादी हैं। भारतीय टीम में उनके साथ उत्तर प्रदेश के अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें ओम यादव, तनुश्री पांडे, जूया अजीज और प्रणव मिश्रा शामिल हैं। टेनिस कोर्ट पर अपनी उपलब्धियों के अलावा, सासा एक राज्य स्तरीय तैराक हैं, जो एक एथलीट के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करती हैं। अपने दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ, सासा कटियार एक होनहार प्रतियोगी हैं और उनका संस्थान इस उल्लेखनीय यात्रा में उनका समर्थन करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए गर्व से उनके पीछे खड़ा है।

HT PAGE 3

LU panel to enhance digital education

LUCKNOW: A committee to enhance digital education and expand access to quality learning has been constituted by Lucknow University. The main objective of the committee is to spearhead the development of online content and courses for the national platforms SWAYAM and MOOCs (Massive Open Online Courses). It will guide faculty members by designing and delivering high-quality online content aligned with the national educational framework.

Kiran Lata Dangwal, department of education, was selected as the chairperson of the committee while Pravish Prakash, Shambhavi Mishra, Bhavna and Rishi Kant are the members.

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू बनाएगा ऑनलाइन कोर्स

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रों को डिजिटल माध्यम से शिक्षा देने के लिए समिति बनाई है। समिति मूक यानी मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स और राष्ट्रीय मंच स्वयं के लिए ऑनलाइन कोर्स और पाठ्यचर्या का निर्माण करेगी। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर शिक्षाशास्त्र की डॉ. किरण लता डंगवाल की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति गठित की है।